वार्तालाप-563, कलकत्ता, दिनांक 04.05.08
Disc.CD No.563, dated 04.05.08 at Calcutta
Extracts-Part-1

समयः 00.31-01.40

जिज्ञासुः बाबा, साक्षात्कार और बुद्धियोग दोनों अलग-अलग है ना?

बाबाः साक्षात्कार होता है बंद आँखों का भक्तों को। जो ज्ञानी बच्चे हैं, उनकी आँखें बंद होंगी या कि ही तीसरा नेत्र खुल जाता है। उनका तो और ही बुद्धि का तीसरा नेत्र खुल जाता है। उन्हें भक्तिमार्ग के साक्षात्कार की दरकार नहीं है। भक्तिमार्ग का साक्षात्कार तो भक्तिमार्ग में भी तुलसीदास को, सूरदास को, रैदास को होता रहा, मीरा को भी हुआ परन्तु उनको क्या प्रैक्टिकल में स्वर्ग मिल गया? नर्क में ही जन्म लेते रहे। परन्तु यहाँ तो प्रैक्टिल स्वर्ग की स्थापना होती है; बुद्धि के साक्षात्कार के आधार पर या बंद आँखों के साक्षात्कार पर? बुद्धि का साक्षात्कार होता है तो बुद्धि से ही परिवर्तन होता है। मन बुद्धि रूपी आत्मा का ही परिवर्तन होना है।

Time: 00.31-01.40
Student: Baba, having visions (*saakshaatkaar*) and connection of the intellect (*buddhiyog*) are different, aren't they?
Baba: Devotees have visions through closed eyes. Will the eyes of the knowledgeable children be closed or will their third eye open up even more? Their third eye of the intellect opens up even more. They do not need the visions of the path of *bhakti* (devotion). As regards the visions of the path of *bhakti*, Tulsidas, Soordas, Raidas and Meera continued to have visions in the path of *bhakti*, but did they get heaven in practice? They continued to be born in the hell itself. However here, the heaven is established in practice. Is it on the basis of the visions of the intellect or on the basis of the visions with closed eyes? They have visions through the intellect; so, they undergo transformation only through the intellect. The transformation of the mind and intellect soul itself has to take place.

समयः 07.52-09.05

जिज्ञासुः बेहद का वासुदेव कौन है?

बाबाः वसुदेव कहते हैं धन देने वाला शिव बाप। वसु माना धन और उससे पैदा हुआ वासुदेव। जैसे ब्राह्मण किसका बच्चा? ब्रह्मा। उसमें एक मात्रा बढ़ गयी ब्रह्मा में, ब्राह्मण। ऐसे ही वसुदेव - एक मात्रा वसु में बढ़ाई तो हो गया वासुदेव माना बच्चा हो गया । वसुदेव का बच्चा कृष्ण - ये रचयिता और रचना की नॉलेज हो गई।

जिज्ञासुः देवकी कौन है?

बाबाः देवकी उनकी युगल।

जिज्ञासुः यशोदा और नंदराय उनके पास तो कृष्ण बच्चा पालना लिया ना।

बाबाः अरे ! तो सुरक्षा कहाँ होती है? यादव कुल में सुरक्षा होती है या मथुरा में सुरक्षा होती है? यादव कुल का मुखिया दिखाया गया ना नंदराय को।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 07.52-09.05
Student: Who is Vaasudev in an unlimited sense?
Baba: The Father Shiva who gives wealth is called Vasudev. *Vasu* means wealth and V**aa**sudev is born from him. For example, whose child is a Brahmin? Brahma. One vowel increased in [the word] Brahma, [it became] Br**aa**hmin. Similar is the case with Vasudev. When one vowel is increased in Vasu, it becomes V**aa**sudev; it means he became the child. The child of Vasudev is Krishna. This is the knowledge of the creator and the creation.
Student: [Who is] Devaki?
Baba: Devaki is his wife.
Student: The child Krishna took the sustenance from Yashoda and Nandrai, didn't he? **Baba:** *Arey*! Where is safety ensured? Is there safety in the Yadava clan or in Mathura? Nandrai has been shown to be the head of the Yadava clan, hasn't he?

समयः 09.22-10.37

जिज्ञासुः आत्मा शरीर में प्रवेश करने के 5-6 महीना बाद उसकी प्रत्यक्षता होती है। इसका प्रूफ बेहद में 69 से 76 तक हमें मिल चुका है। लेकिन 69 के पहले, जो आत्मा प्रवेश करने के पहले पिंड होने की बात था, माने आत्मा का जो घर होने की बात था, 69 में परमात्मा ने जिसमें प्रवेश किया था, वो उसके पिंड होने का क्या प्रूफ है? वो अभी तक हमको जानकारी नहीं है लेकिन....

बाबाः शरीर जिन्दा नहीं था क्या?

जिज्ञासुः शरीर तो जिन्दा था।

बाबाः वही पिण्ड हुआ। जो शरीर है जिसमें ज्ञान नहीं है, चंचलता नहीं है, ज्ञान की चुर्र-पुर्र ही नहीं है उसको कहेंगे निर्जीव पिण्ड, और सन् 76 में जब चुर्र-पुर्र हो गयी और वो ही खल्लास हो गयी। बच्चा बाहर प्रत्यक्ष हो गया माना जन्म हो गया। माताओं को ही चुर्र-पुर्र का पता चलता है।

Time: 09.22-10.37
Student: A soul is revealed 5-6 months after it enters the body. We have found its proof in an unlimited sense in the period from 69 to 76. But before 69, the topic of the foetus (*pind*) before the entry of the soul; I mean to say the topic of the home of the soul; the one in whom the Supreme Soul entered in 69, what is the proof of his being a foetus? We do not know about it yet but...
Baba: Was the body not alive?
Student: The body was indeed alive.
Baba: That itself was the foetus. The body which does not have knowledge, which does not have movement, which does not have any movement of knowledge at all, will be called a non-living foetus and when there was movement in 76 and that too ended, the child was revealed outside, means he was born. It is only the mothers who know about the movements [in the womb].

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 15.15-16.20

जिज्ञासुः बाबा, पहले तो कोई खराब नहीं होता है। बाद में वो कैसे आया?

बाबाः सोना सच्चा होता है उसमें तो कोई गन्द होता ही नहीं है। बाद में गन्द कहाँ से आता है, डाला जाता है, कि बिना डाले आ जाता है? (किसीने कहा-डाला जाता है।) तो ऐसे ही परमधाम से आत्मायें जो आती हैं। वो आत्मायें कम पावर वाली होती हैं, कम जन्म लेने वाली होती हैं या पावरफुल आत्मायें आतीं है? कमजोर आत्मायें आती हैं संग के रंग से सोना उतर जाता है। ऊपर वाले भी नीचे हो जाते हैं। क्योंकि ऊपरवालों से ऊपर से उतरने वालों की संख्या कई गुनी ज्यादा होती है। संग का रंग लग जाता है।

Time: 15.15-16.20
Student: Baba, nobody is bad initially. How does he become that later on?
Baba: When gold is true, there is no dirt in it. How does dirt come in it later on? It is added to it; or does it come without adding it? (Someone said: it is added.) So, similarly, do the souls that descend from the Supreme Abode have less power, do they have fewer births or do the powerful souls descend? Weak souls descend; the gold becomes impure by being coloured by their company. The above ones (i.e. the high ones) also come down because the number of those [with a low stage] who descend is more than the high ones. They are coloured by their company.

समयः 19.23-22.00

जिज्ञासुः बाबा, एक वार्तालाप में सुना अहिल्या को श्राप मिला, उसके साथ इन्द्रदेव को भी श्राप मिला।

बाबाः अहिल्या को भी श्राप मिला, अहिल्या गौतम ऋषि की पत्नी थी। गौतम, गऊ माना इन्द्रियां, और तम माना श्रेष्ठतम। जिन्होंने इन्द्रियों का सबसे जास्ती सुख भोगा। कौन सा धर्म है जो इन्द्रियों का सबसे जास्ती सुख भोगता है? इस्लाम धर्म। इस्लाम धर्म का बीज कौन हुआ? गौतम। उनकी पत्नी का नाम अहिल्या। अहि माना साँप लया माना ले आई। किसको ले आई? साँप को ले आई। उस अहिल्या का कनेक्षन उस साँप से हो गया तो लगाव लग गया इसका भी कल्याण हो जाये, इसको भी बाबा के सामने ले जायें, मेरे सुनाने से तो ये मानता नहीं तो बाबा के सामने ले जाऊँ तो इसका भी कल्याण हो जाये लेकिन ये भूल गई कि मुरली में क्या बोला है। क्या बोला है? मेरी सभा में कोई भी विकारी को लेकर नहीं आना है। तो अहिल्या इन्द्र को लेकर के पहुँच गई। तो दोनों को श्राप मिल गया। अहिल्या को श्राप मिलाः जा पत्थर बन जा। पत्थर बनती है कोई औरत? पत्थरबुद्धि बन गई। उसकी बुद्धि में इतना श्रेष्ठ एडवांस ज्ञान जो डायरेक्ट बाप आकर देते हैं, वो ज्ञान उसकी बुद्धि में नहीं बैठता न उसकी बुद्धि में बैठता है, न दूसरों को बैठने देती है। तो हो गई अहिल्या पत्थर बुद्धि। और इन्द्र को श्राप मिला क्या? इन्द्र को भी श्राप मिला हजारों हजार योनियां तुम्हारे शरीर में चिपक जायें । तो चारों तरफ से हजारों हजार स्त्रीयाँ जैसे उनको चिपकने लगीं। बातें कहाँ की हैं? इन्द्र कौन है?

जिज्ञासुः बाप।

बाबाः बाप? (किसी ने कुछ कहा।) आप? वो अपने को ही इन्द्र कह रहा है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 19.23-22.00
Student: Baba, I have heard in a discussion CD that Ahilya was cursed along with her Indridev was also cursed.
Baba: Ahilya was also cursed. Ahilya was the wife of Sage Gautam. Gau tam; *Gau* means organs and *tam* means the best; the one who experienced the maximum pleasure of the organs. Which religion experiences the maximum pleasure of the organs? The Islam religion. Who is the seed of the Islam religion? Gautam. His wife's name is Ahilya. '*Ahi'* means snake, '*lya*'means brought. Whom did she bring? She brought a snake. That Ahilya developed a connection with that snake; so she developed attachment; [she thought]: "let this one also be benefited; let me take this one also in front of Baba; He does not listen to me; so let me take him to Baba; then he will also be benefited"; but she forgot what has been said in the Murli. What has been said? You should not bring any vicious person to my gathering. So, Ahilya reached [the gathering] with Indra. So, both of them were cursed. Ahilya was cursed: "Go, become a stone". Does any woman become a stone? She became the one having a stone like intellect. Such elevated advance knowledge which the Father comes and gives directly does not sit in her intellect. Neither does it sit in her intellect nor does she allow it to sit [it] in others' intellect. So, Ahilya became the one having a stone like intellect. And Indra was cursed. What? Indra was also cursed. Thousands of *yonis*[1] may stick to your body. So, in a way, thousands of women started sticking to him from everywhere. These are topics of which time? Who is Indra?
Student: The Father (*Baap*).
Baba: The Father? (Someone said something.) You (*Aap*)? He is calling himself Indra☺.
... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 30.07-33.02

जिज्ञासुः बाबा, जब लास्ट ट्रेन चलेगा तो उसके पहले तो हम बच्चों को सब कुछ समेट लेना है।
बाबाः कोई समेट पायेंगे, कोई नहीं समेट पायेंगे, कोई को समेटते-समेटते ही देर हो जायेगी, कोई अभी से समेटना शुरू कर दिया है, कोई इन्तजार कर रहे हैं कि हमारा तो सारा समेटा जा चुका है जल्दी शुरूआत हो जाये । हाँ, तो?
जिज्ञासु : तो जो बैग बेगेज है उसका रूप तो बेहद में भी होता है हद में भी होता है।
बाबा : बैग एण्ड बेजेग क्या है जो बुद्धि में भरा पड़ा है वो सब बैग एण्ड बेगेज है। जो इन आँखों से दिखाई देता है वो सब क्या है? सब बैग एण्ड बेगेज है, जो विनाश को पाना है। उसमें बुद्धि जो फैली हुई है, अपनी देह में, देह के सम्बन्धों में, देह के पदार्थों में, देह की मिलकियत में, उन सबसे बुद्धियोग हटाकर के, एक बाप में बुद्धि इकट्ठी कर ली जाये माना बैग एण्ड बेगेज इकट्ठा हो गया। जब चाहे एक सेकेण्ड में निराकारी स्टेज बन जाये और जितनी देर चाहे उतनी देर बना सके, माया बुद्धि योग को तोड़ न सके माना बैग एण्ड बैगेज तैयार हो गया।

[1] female reproductive organs

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 30.07-33.02
Student: Baba, before the last train starts, we children will have to pack everything.
Baba: Some will be able to pack up; some will not be able to pack up. Some will be late while packing up. Some have started packing up from now onwards. Some are waiting: we have packed-up everything. The [destruction] should begin fast. Yes, so what?
Student: So, as regards the bag-baggage, it is in an unlimited as well as a limited sense.
Baba: What is the bag and baggage? Whatever is filled in the intellect is the bag and baggage. What is all that you see through these eyes? All that is bag and baggage which is going to be destroyed. The intellect which is scattered in it, in the body, in the relations of the body, in the things related to the body, in the property related to the body; you have to divert your intellect from all that and focus it on the one Father. It means that the bag and baggage is ready. You should be able to become constant in the incorporeal stage in a second whenever you wish and you must be able to remain constant in it for as long as you wish. Maya should not be able to break the yoga (i.e. connection) of the intellect [with the Father]. Then it means that the bag and baggage has become ready.

जिज्ञासु : बाबा उस समय तो पैसे काम के नहीं होगा।
बाबा: थोड़ा-थोड़ा बचा के रख लेने में क्या हर्जा है?
जिज्ञासु: ट्रेन में जाने के समय तो कुछ फी लगेगा बाबा?
बाबा: अरे तो बैंक बेलेन्स पहले से बचा रख लो पहले से। जैस बटुआ जेब में रखा जाता है हर समय कहीं बाहर जाते हैं तो भी बटुआ जेब में पड़ा रहता है ना, कहीं टिकिट लेना पड़े एट रेण्डम (at random)।
दूसरा जिज्ञासु: उसके लिये तो बाबा है।
बाबा: हाँ, जी।
जिज्ञासु : बाबा उस ट्रेन में जाने के समय साइड सीन दुनियाँ में क्या होगा?
बाबा: सारा बैग एण्ड बेगेज जो बिखरा हुआ पड़ा वह सब साइड सीन ही तो है।
दूसरा जिज्ञासु: देखकर लगता नहीं है बाबा।
बाबा: क्या नहीं लगता है?
दूसरा जिज्ञासु: ये दुनिया इतने जल्दी चली जायेगी, देखकर लगता नहीं है।
बाबा: नहीं-नहीं अभी तो चालीस हजार साल पड़े हैं।

Student: Baba, at that time money will be of no use.
Baba (ironically): What is the harm in saving little bit of it (money)?
Student: When we have to travel by the train will any fees be required?
Baba (ironically): *Arey*! So, secure your bank balance beforehand. For example, a purse is always kept in pocket. Whenever you step out [of home] you keep the purse in the pocket, don't you? You may have to buy a ticket *at random*.
Another student: Baba is there for that.
Baba: Yes.
Student: Baba, what will be the side scenes of the world when we travel by that train?
Baba: Whatever bag and baggage is scattered all over itself is a side scene.
Another Student: When we see it we do not feel like this Baba.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: What do you not feel?
Another Student: It does not appear that this world will be destroyed so soon.
Baba (ironically): No, no, there are still forty thousand years left.

समयः 33.10-36.15

जिज्ञासुः बाबा, दे दान तो छूटे ग्रहण। हद में क्या अर्थ है?

बाबाः काहे का दान देना है? दान काहे का देना है, अरे! विकारों का ही तो दान देना है, तो बताने मे इतनी देर क्यों देर लगाते हो? विकारों का दान देना है और विकारी सुख भोगा है प्रकृति के पाँच तत्वों से, जिन प्रकृति के पाँच तत्वों से ये शरीर बनें है। शरीरों से ही विकार भोगे हैं, तो मूल विकारी सुख देने का आधार कौन हुआ? विकारी मनुष्यों ने विकारी सुख भोगे लेकिन विकारों का आधार हुई प्रकृति और प्रकृति को पोल्यूट किया है मनुष्य ने, देवताओं ने पोल्यूट नहीं किया वो अव्यभिचारी थे। मनुष्यों ने क्या किया? व्यभिचार किया प्रकृति के साथ। तो जिसके साथ व्यभिचार किया है, विकारों का भोग किया है अन्यायपूर्वक तो उसको देना पडेगा कि नहीं देना पड़ेगा? देना पड़ेगा ।

Time: 33.15-36.15
Student: Baba, '*de daan toh chutey grahan'* (if you give donation, the eclipse will fade out), what does it mean in a limited sense?
Baba: What should you donate? What do you have to donate? *Arey*! It is the vices which you have to donate. (Student: yes.) So, why do you take so long to answer? We have to donate the vices and we have enjoyed the vicious pleasures through the five elements of the nature; the five elements of the nature through which this body is formed. We have experienced vices through body itself; so who was the main base to give the vicious pleasure? The vicious human beings experienced vicious pleasures. But nature was the base of vices and human being has polluted the nature; the deities did not pollute her; they were unadulterated. What did the human beings do? They indulged in adultery with nature. So, will they have to give donation to the one with whom they have indulged in adultery [and] have enjoyed vices illegally or not? They will have to give [donation].

इस समय प्रकृति का साकार रूप कौन है? जगदम्बा, उसको जन्म-जन्मान्तर मनुष्यों पोल्यूट किया है। बीज रूप आत्माओं ने गन्दी दृष्टि लगायी है, उनको ही दान देना पड़े, माता के रूप में देखना पड़े, प्रैक्टिकल धारणा करनी पड़े कि ये मेरी माँ है पूज्यनीय है। और माँ एक होती है और उसकी उँगलियाँ हथेलियाँ अलग होतीं है? जगदम्बा अकेली है या उसके साथ उसकी उँगलियाँ, उसकी हथेलियाँ, उसकी बाँहे भी हैं? वो भी हैं माना जो भी कन्यायें मातायें हैं वो सब किसकी भुजायें हो गईं? (किसी ने कहा: जगदम्बा।) एडवांस पार्टी में सारी कन्यायें-मातायें जगदम्बा की भुजायें हैं । उनके प्रति जब तक मातृभाव नहीं आता है क्योंकि भाई बहन के सम्बन्ध में भी माया आ जाती है। जब तक ये मातृभाव पैदा नहीं होता है एक-एक कन्या-माता के प्रति, तब तक समझा जायेगा कि दान नहीं दिया विकारों का।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Who is the corporeal form of nature at present? Jagdamba; she has been polluted by the human beings for many births. The seed-form souls have thrown dirty glances at her; they themselves will have to give donations; they will have to see her in the form a mother; they will have to put into practice [this attitude:] "she is my mother, she is worshipworthy." And are the mother's fingers and palms separate from her? Is Jagdamba alone or is she accompanied by her fingers, her palms and her arms? They are also there. It means that whose arms are all the virgins and mothers? (Someone replied: Jagadamba.) All the virgins and mothers in the advance party are the arms of Jagdamba. Unless you develop motherly feeling for them… Because Maya enters even in the relationship of a brother and sister. Until this motherly feeling is developed for every virgin and mother, it will be considered that you have not donated your vices.

समयः 36.26-37.20

जिज्ञासुः अच्छा बाबा, निराकारी स्टेज का क्या मतलब बाबा?

बाबाः निराकारी स्टेज का मतलब है कोई साकार भाव न आये, कोई साकार चीज याद न आये, कोई साकार देह याद न आये, अपनी देह की कोई कर्मेन्द्रियां याद न आये, इन आँखों से दुनियाँ की जो भी साकार वस्तुयें देखते हैं, आज देखते हैं आज उनमें बुद्धि जाती है, ममत्व जाता है, आकर्षण जाता है, कल ये सब खलास हो जायेंगे। इन आँखों से जो कुछ देखते हैं वो सब है साकारी और जो तीसरे नेत्र से देखते हैं वो है निराकारी।

Time: 36.26-37.20
Student: OK Baba, what is meant by the incorporeal stage?
Baba: Incorporeal stage means that you should not have any corporeal feeling. You should not remember any corporeal thing; you should not remember any corporeal body; you should not remember any bodily organ of your body. Whatever corporeal things of the world you see through these eyes today and to which your intellect is pulled, to which you feel attached [or] attracted, all these are going to perish tomorrow. Whatever you see through these eyes is corporeal and whatever you see through the third eye is incorporeal. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 37.21-38.10

जिज्ञासुः बाबा, वायब्रेशन देना और सर्चलाईट देना दोनों क्या एक हैं या अलग-अलग हैं?

बाबाः सर्चलाइट शिवबाबा की याद में दी जाती है और वायब्रेशन तो कोई भी आत्मा दे सकती है। जैसा उसका वायब्रेशन होगा वैसा उसका असर पड़ेगा।

जिज्ञासुः बाबा सर्चलाइट अमृतवेला.....

बाबाः अमृतवेला बाप की याद में रहकर कोई भी आत्मा को सर्चलाइट देंगे तो समय सफल होगा।

Time: 37.21-38.10
Student: Baba, is giving vibrations and giving searchlight same or different?
Baba: Searchlight is given in the remembrance of Shivbaba and vibrations can be given by any soul. As is his vibration, so shall be its effect.
Student: Baba, searchlight at *amritvela*....

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: If you give searchlight at *amritvela* to any soul in the remembrance of the Father then your time will be utilized.

समयः 38.12-42.30

जिज्ञासुः बाबा, लास्ट ट्रेन जो जाएगी वो माउन्ट आबू की तरफ जाएगी या दिल्ली की तरफ जाएगी लास्ट ट्रेन?

बाबाः आपको जाना कहाँ है? पहले तो ये फैसला करो हमें कहाँ जाना है। कहाँ जाना है, अरे! बाथरूम जाना है कहाँ जाना है?

जिज्ञासुः माउण्ट आबू।

Time: 38.12-42.30
Student: Baba, will the last train go to Mount Abu or to Delhi?
Baba: Where do you have to go? First decide where you have to go. Where do you want to go? *Arey*, do you wish to go to the bathroom or anywhere else☺?
Student: Mount Abu.

बाबाः हाँ तो पूछते कायके लिये हो फिर। (किसीने पूछा:उन्होंने क्या बोला बाबा?) माउण्ट आबू जाना है। अभी जाना है या जब बाप जावेगा तब जावेंगे? अभी जावेंगे तो उन्होंने हथियार तैयार करके रखे हैं। गुप्त रूप में जा सकते हैं। गुप्त रूप में सारी दुनियाँ में कहीं भी घूम सकते हैं , गुप्त पाण्डव बनकर के।

किसी ने कहा- गुप्त रूप में जाने से भी वो लोग पकड़ लेते हैं।

बाबा: कौन?

जिज्ञासु: बेसिक में।

बाबाः भीमसेन बनकर जाने की जरूरत क्या है? हनुमान की तरह छोटा मच्छर बनकर जाओ ना।

जिज्ञासुः वो ज्यादा कुछ सुनायेगा तो हमारे मुख से निकल जायेगा कि शिवबाबा साकार में है।

बाबाः मुख से निकल जायेगा? इसका मतलब अपनी इन्द्रियों के ऊपर कन्ट्रोल नहीं है।

जिज्ञासुः साकार में है शिवबाबा।

बाबाः अरे! तो मुँह के ऊपर कन्ट्रोल नहीं है?

जिज्ञासुः बाबा को कोई बदनाम करेगा तो सुन नहीं सकेंगे।

बाबाः बाबा को बदनाम करेगा तो चिपक जाती है बदनामी? कोई ग्लानी करता है ग्लानी चिपक जाती है? कोई गाली देता है तो गाली चिपक जाती है? देहअभिमानीयों को चिपक जाती है या आत्मा अभिमानीयों को? कोई बदनाम करता है बाप को या हमको तो वो बदनामी आत्मा को चिपकती है या देहअभिमानी को चिपकती है? (किसी ने कहा: देहअभिमानी को।) तो जरूरी है देहअभिमानी बनना?

जिज्ञासुः कभी-2 हो जाता है।

बाबाः क्यों कभी-कभी होने दें, अलर्ट हो जायें, तब जायें।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes, so, why do you ask? (Someone asked: what he said Baba?) He wants to go to Mount Abu. Do you wish to go there now or will you go there when the Father goes? If you go now, they (i.e. the BKs) have kept the weapons ready☺. You can go there secretly. You can travel anywhere in the world secretly by becoming a hidden Pandav. (Someone said something: They catch us even if we go there secretly.)
Baba: Who?
Student: [The people of] the basic [knowledge].
Baba: What is the necessity to go there as Bhimsen? Go like Hanuman by becoming a small mosquito, can't you?
Student: If they (i.e. the BKs) speak much, it will slip out of our tongue that Shivbaba is in a corporeal form.
Baba: It will slip out of your tongue? It means that you do not have control over your organs.
Student: Shivbaba is in a corporeal form.
Baba: *Arey*! So, don't you have control over your mouth?
Student: We will not be able to listen if someone defames Baba.
Baba: If someone defames Baba, does the defamation stick to you? If someone defames you, does the defamation stick to you? If someone hurls abuses at you, do the abuses stick to you? Does it stick to the body conscious ones or the soul conscious ones? If someone defames the Father or defames us, then does the defamation stick to the soul or to the body conscious ones? (Someone said: to the body conscious ones.) So, is it necessary to become body conscious?
Student: It happens sometime.
Baba: Why do you allow it to happen sometimes? Go there when you become alert.

जिज्ञासु: अभी तो निराकारी नहीं बने हैं।

बाबा: नहीं हुआ तो माउण्ट आबू मत जाओ फिर।

जिज्ञासु: आप के साथ जायेगें बाप के साथ।

बाबा: हाँ, तो जब भी जायेगें तो होना तो पड़ेगा ना। मरेंगे तभी तो शमशान घाट में जावेंगे कि मरने से पहले शमशान घाट में क्रियाकाण्ड क्रिया में खड़े हो जावेंगे? जाने को तो अभी भी वहाँ पहुँचे हुये हैं, एडवांस में पाण्डव भवन भी बना हुआ है पाँच-सात पाण्डव वहाँ कमाई भी कर रहे हैं, रह भी रहे हैं, सेवा भी कर रहे हैं। माताओं को भी परमीशन मिली हुई है जो मेच्योर्ड उम्र की मातायें है जिनके थोडे़थोड़े बाल सफेद होने लगे हैं, बुजुर्ग मातायें हैं, वो वहाँ जाकर सेवा कर सकतीं हैं बड़ा शक्ति भवन बना हुआ है। लेकिन अपनी अवस्था देखकर के जायें, नहीं तो वहाँ तो दुर्योधन दुःशासन बैठे हुये हैं।

Student: We have not yet become incorporeal.
Baba: If you haven't become, then don't go to Mount Abu.
Student: We will go with you, with the Father.
Baba: Whenever you go, you will have to become [incorporeal], will you not? You will go to the cremation ground only when you die. Or will you go and stand for the last rituals in the cremation ground before dying? As regards going there, some have already reached there; there is a Pandav Bhavan of the Advance Party there as well; five-seven Pandavas are earning income as well as living there and are also serving; the mothers have also been given permission; the mothers who are of matured age, whose hair have started graying; the elderly mothers can go and serve there; a big *shakti bhavan* is built. But you should go there after checking your stage; otherwise, there are Duryodhans and Dushasans sitting there.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु: बाबा मर जाने सेवा से सेवा कैसे होगी?

बाबा: जीते जी मरना सिखाया बाप ने या ऐसे ही मरना सिखाया?

जिज्ञासु: जीते जी।

बाबा: तो जीते जी मरने से सेवा नहीं होगी?

जिज्ञासु: वायब्रेशन से।

बाबा: जीते जी मरेंगे तभी तो सेवा होगी, आप मुये तो मर गई दुनियां। सन् 76 में कैसे दुनियाँ मरी थी, सन् 76 में दुनियाँ का विनाश हुआ था कि नहीं हुआ था किसके लिये? कोई के लिये विनाश हुआ था ना, तो मर गया था तब विनाश हुआ था या जिन्दा रहा देहभान में तब विनाश हुआ था? अभी भी जो मरते जाते हैं उनके लिये दुनियाँ खल्लास हो गई, उनके लिये नई दुनियाँ, जैसे फाउण्डेशन पड़ रहा है, दिखाई दे रहा है।

Student: Baba, how will we serve after dying?
Baba: Did the Father teach you to die while being alive or did He teach you to die simply?
Student: [To die] while being alive.
Baba: So, will service not take place if you die while being alive?
Student: Through vibrations.
Baba: *Arey*, service will take place only when you die while being alive. *Aap muye mar gai duniya*[2]. (Someone said something.) Yes. How did the world die in the year 76? Was the world destroyed in the year 76 or not? (Someone said: it was.) For whom? It was destroyed for someone, wasn't it? So, did destruction take place when he died or did it take place when he was alive in body consciousness? Even now those who are dying, the world is destroyed for them; for them it is like a foundation of the new world being laid and is visible to them. ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 45.28-46.30

जिज्ञासुः बाबा, जब एक में ही बुद्धि टिक जाएगी, तो पत्ते-पत्ते में तो पानी देने की तो जरूरत नहीं।

बाबाः ये तो दुनियाँ जानती है अज्ञानी लोग भी जानते हैं पत्तों को पानी देने से पेड़ सरसब्ज होता है या बीज को पानी से सरसब्ज होता है?

जिज्ञासु: बीज को पानी देने से।

बाबा: ये तो पूछने की बात ही नहीं।

जिज्ञासु: बाबा सर्चलाइट देना अमृतवेला में कोई आत्मा को.....

[2] When you die the world is dead for you.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: जिसका जिससे लगाव आता होगा, उसके लिये सर्चलाइट देने की बात भी आती होगी, जिसका कोई लगाव ही नहीं है, अटैचमेन्ट ही नहीं है, वो स्पेशल किसी एक को सर्चलाईट देने की बात बुद्धि में क्यों घुमायेगा? वो एकलव्य बनकर रहेगा या दो, चार, आठ, दस, बीस, पचास लव्य बनकर रहेगा?

जिज्ञासुः एकलव्य।

बाबाः सारे झाड़ को आटोमेटिक पानी मिल जायेगा।

Time: 45.28-46.30
Student: Baba, when the intellect becomes constant only in one, then there is no need to water every leaf.
Baba: The world knows, even the ignorant people know that does a tree become green by watering the leaves or by watering the seed?
Student: By watering the seed.
Baba: So, there is no point in questioning at all.
Student: Baba, if we wish to give searchlight to a soul at amritvela....
Baba: The question of giving searchlight will be arising for the soul with whom you have attachment. Why will someone think of giving searchlight especially to one person if he doesn't have attachment at all? Will he remain Eklavya (the one who loves only one) or will he love two, four, eight, ten, twenty or fifty people? (Student: Eklavya.) The entire tree will automatically receive water**.**

समयः 49.33-50.23

जिज्ञासुः बाबा, हद की मीरा और बेहद की मीरा का पार्ट क्या एक ही का है?

बाबाः हद का तुलसीदास और बेहद का तुलसीदास एक ही है या अलग-अलग है?

जिज्ञासुः पार्ट।

बाबाः पार्ट हद के तुलसीदास का, हद के राम का और बेहद के राम का पार्ट एक ही है या अलग-अलग है? एक ही है ऐसे ही मीरा भी वही है, वही आत्मा कलियुग के अंत में बेहद की मीरा बनती है। वो हद का विष का पीती है। कौन? हद की मीरा। और बेहद की मीरा? बेहद का विष पीती है। तुम सब मीरायें हो अपने पार्ट को ही भूली हुई हैं ।

Time: 49.33-50.33
Student: Baba, is the part of Meera in a limited sense and the Meera in an unlimited sense one and the same?
Baba: Is Tulsidas in a limited sense and the Tulsidas in an unlimited sense one and the same or different?
Student: part.
Baba: Is the part of the Tulsidas in a limited sense, the Ram in a limited sense and the Ram in an unlimited sense one and the same or different? It is one and the same. Similarly, Meera is also the same [soul]. The same soul becomes Meera in an unlimited sense in the end of the Iron Age. She drinks poison in a limited sense. Who? The Meera in a limited sense. And what about the Meera in an unlimited sense? She drinks poison in an unlimited sense. You all are Meeras; you have forgotten your own part.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 50.25-51.07

जिज्ञासुः बाबा, हर मकान में तुलसी का पेड़ क्यों रखते हैं? रोज़ सुबह पानी डालता हैं?

बाबाः हर मकान में कहाँ रखते हैं क्रिश्चियन लोग अपने मकान में रखते हैं क्या?

जिज्ञासुः नहीं बंगाल में तो हर जगह में रखते हैं।

बाबाः हाँ तो ये कहो बंगाल में हर मकान में रखते हैं।

जिज्ञासुः और मरने के बाद भी आँखों मे तुलसी का पत्ता रखते हैं। क्यों?

बाबाः हाँ सर माथे पर रखते हैं जब उसके सच्चे पार्ट को पहचान लेते हैं तब, गलतफहमी भरी हुई है, तो घृणा करते हैं, सच्चाई जब प्रत्यक्ष होती है तो सर आँखों पर रखते हैं।

जिज्ञासुः पानी क्यों डालते हैं?

बाबाः ज्ञान जल पड़े बिगर कुछ होता है क्या?

Time: 50.27-51.07
Student: Baba, why do they grow Tulsi[3] plant in every house? Why do they water it every morning?
Baba: They don't keep it in every house. Do the Christians keep it in their home?
Student: No. In Bengal most of them keep [in their house].
Baba: Yes. So, say that they keep it in every house in Bengal.
Student: And even after dying, why do they keep Tulsi leaves on the eyes?
Baba: Yes, they keep it on the head when they realize its true part; as long as there is misunderstanding, they hate; when the truth is revealed, then they keep it on the eyes[4].
Student: Why do they water it?
Baba: Water; does anything happen without the water of knowledge?

समयः 51.20-54.05

जिज्ञासुः बाबा, रात गंवाई सोय के, दिवस गंवाया खाय के। मनुआ जीवन अमोल है, कौड़ी बदले जाए। इसका अर्थ क्या है?

बाबाः रात गंवाई सोए के। भगवान रात में आता है या दिन में आता है? रात में आता है। अभी अज्ञान अंधेरी रात सारी दुनियाँ में फैल रही है, घोर अज्ञान अंधियारी रात है रात के बारह बज रहे हैं, सब अज्ञान की नींद में सो रहे हैं, और बाप जगाय रहे हैं, तूने रात गंवाई सोय के, खूब डटकर अमृतवेला गंवाय रहे हैं। दिवस गंवाया खाय के। जो सतयुग त्रेता है देवतायें वहाँ खाते-पीते, मौज उड़ाते हैं या कुछ पुरूषार्थ करते हैं? खाते पीते हैं, मौज उड़ाते हैं, खूब भोग भोगते है शरीर से। रात गंवाई सोई के दिवस गंवाया खाय के, और मनुआ जीवन अमोल है।

Time: 51.20-54.05
Student: Baba, what is meant by – *'Tune raat ganvaai soy ke, divas ganvaya khaay ke. Manua jeevan amol hai kaudi badle jaye re'*. (You have wasted the night in sleep and wasted the day in eating. Human life is valubable it is being wasted at the cost of shell)?

[3] Basil
[4] Honor it

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: *Raat ganvaai soy ke* (You have wasted your night in sleep); does God come in the night or in the day? He comes in the night. Now the night of darkness of ignorance is spreading in the entire world; it is a stark dark night of ignorance; it is midnight; everyone is sleeping in the slumber of ignorance. And the Father is awakening: *Tuney raat ganvaai soy ke*. You are wasting *amritvela*[5] very casually. *Divas ganvaya khaay ke* (You have wasted the day in eating). Do the deities eat, drink and make merry in the Golden Age and the Silver [Age] or do they make *purusharth* (spiritual effort)? They eat and drink, make merry and experience full pleasure through the body. You have wasted the night in sleep and wasted the day in eating; and the human life is valuable.

ये मनुष्य मनु की औलाद सतयुग त्रेता द्वापर कलियुग में होती है या सिर्फ संगमयुग में होती है? संगमयुग में मनुआ है, मनु की औलाद। हे मनुआ, हे मनुष्य यह अमोलक जीवन है, जो ईश्वर बाप से तुमको मिला हुआ है। अब कौड़ी के पीछे क्यों बुद्धि लगा रहे हो? क्या? सुबह से शाम तक स्त्री चोला है तो अपने चोले का ही भान रहता है, अहंकार रहता है कितना सुन्दर मेरा चोला है, कितने फिदा होने वाले हैं। पुरूष चोला है तो कौड़ी ही याद आती है सुबह से शाम तक, क्योंकि 63 जन्मों की रग पड़ी हुई है। तो मनुआ जीवन अमोल है, कौड़ी बदले जाय रे। ये मनुष्य जीवन कौड़ी में बुद्धि लगाने के बदले नष्ट हो रहा है। ये समझ नहीं पाये अभी तक मुरली सुनते-सुनते सत्तर साल हो गये, ये वाक्य कितनी बार आया होगा ? ढ़ेरों बार आया है।

Is the *manushya* (human being) the progeny of Manu present in the Golden Age, the Silver [Age], the Copper [Age] and the Iron Age or only in the Confluence Age? The human beings (*manua*), the children of Manu, are present in the Confluence Age. O *Manua*! O human being! This life, which you have received from God the Father is valuable. Why are you focusing your intellect on cowries (shell)? What? In case of a female body, she is conscious of her body from morning to evening; she feels egotistic [thinking:] my body is so beautiful! So many people are attracted to me! In case of a male body, they keep on remembering only the cowrie from morning to evening because they are habituated for 63 births. So, the human life is valuable. It is being changed into cowries. This human life is being wasted by focusing the intellect on cowries. Have you not understood this yet? Seventy years have passed listening to *Murlis*; how many times would this sentence have been mentioned [in the *Murlis*]? It has been mentioned numerous times. ... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 54.30-57.18

जिज्ञासुः हियर नो इविल – इसका अर्थ क्या है?

बाबाः । हियर नो ईविल...हियर नो ईविल, टॉक नो ईविल, सी नो ईविल। कोई गन्दी-गन्दी बातें सुनाता है तो ईविल बात हुई या अच्छी बात हुई? कोई दूसरे की ग्लानी सुना रहा है, परचिन्तन की बातें सुना रहा है तो ग्लानि हुई, ईविल बातें हुईं या अच्छी बातें हुईं? (किसीने कहा-ईविल बातें।) तो हियर नो ईविल। गुरू की निन्दा सुनाय रहा है, अच्छी बात हुई या बुरी बात हुई?

जिज्ञासु: बुरी बात।

[5] Early morning hours

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: तो हियर नो ईविल। कानों से बुरी बात मत सुनो। वो सुना रहा है तो सुनेंगे कैसे नहीं? जब कोई सुना रहा है लाउडस्पीकर जोर-जोर से चिल्ला रहा है, चौराहे पर तो कान में आवाज पड़ेगी कि नहीं? पड़ेगी। लेकिन उसका परिहार ये है कि अगर कान में पड़ भी गया तो ध्यान मत दो, एक कान से सुनो दूसरे कान से निकाल दो। इतनी ताकत नहीं है, एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकालने की तो बाप को लिखकर के दे दो कि ये हमको ऐसी बात सुना रहा था, तो कान क्लीयर हो जावेंगे। हियर नो ईविल।

Time: 54.30-57.18
Student: What is meant by hear no evil?
Baba: Hear no evil. .... (Baba is teasing the brother.) Hear no evil, talk no evil, see no evil; if someone speaks bad things, is it an evil thing or a good thing? If someone is defaming the others, if someone is speaking about others, then is it defamation, an evil thing or a good thing? (Someone said: evil things.) So hear no evil. If someone is defaming the guru, is it a good thing or a bad thing?
Student: It is bad.
Baba: So, hear no evil. Do not listen to bad things through your ears. If he is narrating, how will you not listen to it? When someone is narrating, [when someone is] shouting loudly on the loudspeaker on the cross-roads, then will the words reach the ear or not? It will. But its solution is that even if the words reach your ears, do not pay attention [to it]; listen through one ear and leave it out through the other ear. If you do not have the power to listen through one ear and to leave it out through the other ear, give it in writing to the Father: he was narrating such thing to me, then the ears will become clear. Hear no evil.

जिज्ञासु: बाबा ने बोला है सुनते हुए नहीं सुनना है।
बाबा: वो ताकत हो तब ना। सुनते हुए न सुनने की पावर जो सुप्रीम सोल बाप आता है वो करके दिखाता है। सारी दुनियाँ एक तरफ हो जाती है ग्लानि करने वाली, पतित पावन बाप को ही गाली देते हैं। जो सारी दुनियाँ को पतित से पावन बनाने वाला है उसको ही शैतान कहने लग पड़ते हैं। एक कान से सुनना और दूसरे कान से निकाल देना क्योंकि असलियत जानता है। कि आखिरीन असलियत क्या है जो संसार में सर पर चढ़ कर के सच्चाई बोलेगी। सच्चाई ऐसी चीज है कितनी भी दबाई जाये लेकिन दब नहीं सकती, तो हियर नो ईविल सुनते हुये भी न सुनो। ऊँची स्टेज है।

Another Student said: Baba has said: ignore while listening.
Baba: It is possible only when you have that power, isn't it? The power to ignore while listening; the Supreme Soul Father who comes sets an example by doing that. The entire world that defames comes on one side. They abuse the Father who is the purifier of the sinful ones Himself. They call the very one who purifies the entire world from sinful a demon. [He] listens through one ear and leaves it out through the other because He knows the truth. [He knows] what the final truth is, which will speak in the world standing high. Truth is something which cannot be suppressed howevermuch someone may [try] to suppress it. So, hear no evil. Ignore while listening. It is a high stage.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 57.22-57.55

जिज्ञासुः बाबा, तुंडे-तुंडे मतिर्भिन्ना?

बाबाः तुंडे माना बुद्धि। हरेक की बुद्धि में अपनी-अपनी अकल भरी हुई है। अपनी-अपनी मतें हैं। एक व्यक्ति एक बात का एक अर्थ बताएगा। दूसरा दूसरा अर्थ बताएगा। तीसरा तीसरा अर्थ बताएगा। चौथा चौथा अर्थ बताएगा। तुंडे-तुंडे मतिर्भिन्ना। हरेक की बुद्धि अपने-अपने प्रकार की है। एक की बुद्धि न मिले दूसरे से।

Time: 57.22-57.55
Student: Baba, [what is meant by] '*tundey-tundey matirbhinna*'[6]?
Baba: *Tundey* means intellect. Everybody's level of intelligence is different. Everyone has his own opinion. One person will tell one meaning of one thing; a second person will tell a second meaning; a third person will tell a third meaning; a fourth person will tell a fourth meaning. Everyone has his own opinion. Everybody's intellect is of a different kind. The intellect of one person does not match with the other.

समयः 58.00-01.00.04

जिज्ञासुः बाबा, रोग होता है। रोग भोगते समय बाबा को लिखने से कम हो जाएगा क्या?

बाबाः बीमारी या शरीर का भोग वो पूर्व जन्म का प्रतिफल है या इस जन्म में जो पुरूषार्थ कर रहे हैं उसका प्रतिफल है?

जिज्ञासुः पूर्वजन्म का।

बाबाः तो पूर्वजन्मों का भोग भगवान भोगेगा?

जिज्ञासुः नहीं, आत्मा को ही भोगना पड़ेगा।

Time: 58.00-01.00.04
Student: Baba, if we are suffereing from some disease, will it reduce if we write about it to Baba?
Baba: Is a disease or bodily suffering a result of the past birth or a result of the *purusharth* (spiritual effort) that we are making in the present birth?
Student: Of the past birth.
Baba: So, will God suffer the punishments [for the sins] of the past births [commited by you]?
Student: No; the soul itself will have to suffer [the punishments].

बाबाः भगवान को लिखकरके देने से कोई खत्म हो जायेगा क्या? वो कोई पोतामेल है? इसलिये बोला है मुरली में -"बीमारी आती है जाओ डॉक्टर के पास, भूत-प्रेत आता है जाओ ओलियों के पास, इसमें मैं क्या करूँगा"? तुम्हारा अपना कर्मभोग, तुमने पूर्व जन्म में अपने-आप अपने कर्मों से उसके साथ सम्बन्ध जोड़ा, हिसाब-किताब बनाया। हिसाब किताब एक-एक 500-700 करोड़ मनुष्यों का बाप काटेगा? कोई बताने से कम होने वाला नहीं है। हाँ, कोई पोतामेल बन गया इस जीवन में ज्ञान

[6] Everyone has his own opinion.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

में आने के बाद या ज्ञान में आने से पहले भी वो सच्चाई से बाप को बताया जा सकता है। आधा माफ होगा उसमें भी। वो भी पहली बार बतायेंगे तो आधा माफ होगा।

जिज्ञासु: सूली से काँटा बन जायेगा।

बाबा: सूली से काँटा बन जायेगा का मतलब आधा माफ हो जायेगा, आधा याद के बल से खतम करते रहो। बाकि ऐसा नहीं बार-बार वही गलती करना, बार-बार बताते रहना तो फिर आधा ही माफ होता रहेगा क्या? (किसीने कहा-नहीं।)

जिज्ञासु: साथ-2 बताने से कम होगा या 10, 20 साल बाद बताने से कम होगा?

बाबा: मल्टिफिकेशन होगा कि नहीं? इंट्रेस्ट चढ़ेगा कि नहीं? इंट्रेस्ट नहीं चढ़ता है?

Baba: Will it end by giving it in writing to God? Is it a *potamail*? This is why it has been said in the murli, "If you are ill go to the *doctor*; if any ghost or spirit enters you go to the *Aulia* (a black magician). What will I do in this?" It is your own karmic suffering; you have formed relationship with him (i.e. the ghost or spirit) in the past births with your own actions; you created a karmic account. Will the Father clear the karmic accounts of each one of the 500-700 crore human beings? It is not going to reduce by telling it to [the Father]. Yes, if you have commited some mistake in this life, after entering the [path of] knowledge or also before entering the [path of] knowledge, it can be revealed to the Father truthfully. In spite of that only half of it will be pardoned. Even in that case, half of it will be pardoned when you reveal it for the first time.

Student: It will reduce from a crucifix to a thorn.

Baba: It will be reduced from a crucifix to a thorn means half of it will be pardoned. Burn the rest through the power of remembrance. But it is not that you continue to commit the same mistake again and again and go on revealing it again and again; then will half of it be pardoned [every time]? (Someone said: No.)

Another Student: Will it reduce by revealing it simultaneously or by reavealing it after 10, 20 years?

Baba: Will it be multiplied or not? Will you accumulate interest or not? Doesn't the interest accumulate? (Concluded.)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info